Press Note

ICAR-IARI Celebrates 120 Years of Agricultural Excellence on Foundation Day

New Delhi, April 1, 2025: The Indian Council of Agricultural Research - Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New Delhi, commemorated its 120th Foundation Day with a grand celebration, highlighting its remarkable contributions to Indian agriculture since its establishment in 1905. The event was graced by distinguished dignitaries, eminent scientists, farmers and students, reflecting on the institute's legacy of research, innovation, and sustainable agricultural advancements.

The celebrations commenced with the ceremonial lighting of the lamp, followed by a welcome address from **Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI**. He outlined the institute's significant achievements in research, academics, and extension services while emphasizing its role in public-private partnerships, technology development, and environmental sustainability.

Dr. D.K. Yadava, Deputy Director General (Crop Science), ICAR, lauded IARI's pioneering contributions in agricultural research and its impact on the farming community and national development.

A key highlight of the event was the **Foundation Day Lecture** delivered by **Prof. Ramesh Chand, Member, NITI Aayog**. He addressed the evolving challenges and opportunities in Indian agriculture, underscoring the importance of research-driven policies for food security and sustainability.

The program also witnessed the release of several key publications, followed by a felicitation ceremony recognizing outstanding contributions in various categories:

- **Academic excellence awards** for staff wards
- **Literary competition winners** among school children and IARI's UG & PG students
- **Outstanding achievements** of IARI's scientists, technical, administrative, and supporting staff
- **Honoring the esteemed speaker**, Prof. Ramesh Chand

The event concluded with a vote of thanks by **Dr. R.N. Padaria, Joint Director (Extension), ICAR-IARI**, who expressed gratitude to the dignitaries, organizers, and participants for their invaluable contributions to the success of the celebration. As ICAR-IARI embarks on its 121st year, it reaffirms its commitment to pioneering agricultural research, strengthening India's farming community, and contributing to global food security.

प्रेस नोट

पूसा संस्थान ने स्थापना दिवस पर 120 वर्षों की कृषि उत्कृष्टता का जश्न मनाया

नई दिल्ली, 1 अप्रैल 2025: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई), नई दिल्ली ने अपने 120वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह आयोजित किया, जिसमें 1905 में स्थापना के बाद से भारतीय कृषि में इसके उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों, प्रख्यात वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों और छात्रों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अनुसंधान, नवाचार और सतत कृषि विकास में संस्थान की विरासत को सराहा।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद **डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, आईसीएआर-आईएआरआई** ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अनुसंधान, शिक्षण और विस्तार सेवाओं में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए इसके सार्वजनिक-निजी भागीदारी, प्रौद्योगिकी विकास और पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान को रेखांकित किया।

डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर ने आईएआरआई के कृषि अनुसंधान में अग्रणी योगदान और इसकी कृषि समुदाय और राष्ट्रीय विकास पर प्रभाव की सराहना की।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण **स्थापना दिवस व्याख्यान** रहा, जिसे **प्रो. रमेश चंद, सदस्य, नीति आयोग** ने प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय कृषि में उभरती चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डालते हुए खाद्य सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान-आधारित नीतियों के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन किया गया, जिसके बाद विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया:

- **शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार** कर्मचारियों के बच्चों के लिए
- **साहित्यिक प्रतियोगिता के विजेता** स्कूली बच्चों और आईएआरआई के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच
- **आईएआरआई के वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ**
- **मुख्य वक्ता**, प्रो. रमेश चंद का सम्मान

कार्यक्रम का समापन **डॉ. आर.एन. पडरिया, संयुक्त निदेशक (विस्तार), आईसीएआर-आईएआरआई** के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने गणमान्य अतिथियों, आयोजकों और प्रतिभागियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया। जैसे ही आईसीएआर-आईएआरआई अपने 121वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, यह कृषि अनुसंधान में अपनी अग्रणी भूमिका को बनाए रखने, भारत की कृषि समुदाय को सशक्त बनाने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।